अध्याय 14: कारतूस

विषय-सूची

9 प्रश्नावली · 20 प्रश्न

प्रश्नावली 14.1	मौखिक — एक-दो पंक्तियों में उत्तर	4 प्रश्न
प्रश्नावली 14.2	लिखित (क) — 25-30 शब्दों में उत्तर	5 प्रश्न
प्रश्नावली 14.3	लिखित (ख) — 50-60 शब्दों में उत्तर	4 प्रश्न
प्रश्नावली 14.4	लिखित (ग) — आशय स्पष्ट कीजिए	2 प्रश्न
प्रश्नावली 14.5	भाषा अध्ययन — पर्याय	1 प्रश्न
प्रश्नावली 14.6	भाषा अध्ययन — मुहावरे	1 प्रश्न
प्रश्नावली 14.7	भाषा अध्ययन — कारक	1 प्रश्न
प्रश्नावली 14.8	भाषा अध्ययन — अन्विति ('ने' लगाकर पुनर्लेखन)	1 प्रश्न
प्रश्नावली 14.9	भाषा अध्ययन — विराम-चिह्न	1 प्रश्न

प्रश्नावली 14.1 — मौखिक — एक-दो पंक्तियों में उत्तर

प्रश्न 1

कर्नल कालिज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

हल

कर्नल कालिज का खेमा गोरखपुर के जंगल में लगा हुआ था क्योंकि कंपनी का हुक्म था कि वजीर अली को गिरफ्तार किया जाए।
वजीर अली कई वर्षों से अंग्रेजी फौज को चकमा देकर इन्हीं जंगलों में छिपा हुआ था।
कर्नल उसे पकड़ने के लिए पूरी एक फौज लेकर उसका पीछा कर रहा था।

उत्तर: कर्नल कालिज का खेमा जंगल में वजीर अली को गिरफ्तार करने के लिए लगा था — कंपनी का यही हुक्म था।

प्रश्न 2

वजीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?

हल

वजीर अली एक जाँबाज और चालाक सिपाही था जो कई हफ्तों से अंग्रेजी सेना की पकड़ में नहीं आ रहा था।
सिपाही लंबे समय से जंगल में खेमा डाले बैठे थे और वजीर अली हाथ नहीं लगता था।
बरसों की कोशिश के बावजूद वह हमेशा आँखों में धूल झोंककर निकल जाता था, इसलिए सिपाही थक-हारकर तंग आ गए थे।

उत्तर: वजीर अली बरसों से जंगलों में छिपा था और हाथ नहीं आता था — इसी लंबे बेनतीजे पीछे से सिपाही तंग आ गए थे।

प्रश्न 3

कर्नल ने सवार पर नजर रखने के लिए क्यों कहा?

हल

एक सवार अकेला घोड़े पर सवार होकर खेमे की तरफ आता दिखाई दिया।
अचानक किसी अजनबी सवार का खेमे की ओर आना संदेहास्पद था।
कर्नल को संदेह हुआ कि यह सवार वजीर अली का कोई जासूस या जाँबाज साथी हो सकता है, इसलिए उसने सिपाहियों को नजर रखने के लिए कहा।

उत्तर: अजनबी सवार का अकेले खेमे की ओर आना संदेहास्पद था — कर्नल को शक हुआ कि वह वजीर अली का आदमी हो सकता है।

प्रश्न 4

सवार ने क्यों कहा कि वजीर अली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है?

हल

सवार स्वयं वजीर अली था जो कर्नल के खेमे में बेखौफ घुस आया था।
उसने कर्नल से कहा कि वजीर अली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है क्योंकि वो एक जाँबाज सिपाही है।
यह कहकर उसने अपनी बहादुरी और निडरता का प्रमाण दिया — वह स्वयं शत्रु के खेमे में आ गया था और कारतूस लेकर चला भी गया।

उत्तर: सवार (वजीर अली खुद) ने कहा कि वह एक जाँबाज सिपाही है — यह कहकर अपनी बहादुरी का संकेत देते हुए कारतूस लेकर चला गया।

प्रश्नावली 14.2 — लिखित (क) — 25-30 शब्दों में उत्तर

प्रश्न 1

वजीर अली के अफसाने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?

हल

रॉबिनहुड एक ऐसा वीर था जो अमीरों को लूटकर गरीबों की मदद करता था और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करता था।
वजीर अली भी अंग्रेजों के खिलाफ जाँबाजी से लड़ रहा था — शेर की माँद (कंपनी के खेमे) में पहुँचकर उनसे दो-दो हाथ करने की जुर्रत करता था।
दोनों की निडरता, साहस और शासन के विरुद्ध विद्रोह की भावना में समानता थी, इसलिए वजीर अली के कारनामे सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद आती थी।

उत्तर: वजीर अली की निडरता, साहस और अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह रॉबिनहुड से मिलते थे — शत्रु के खेमे में घुसने की जुर्रत उसी तरह की थी।

प्रश्न 2

सआदत अली कौन था? उसने वजीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

हल

सआदत अली नवाब आसिफउद्दौला का भाई था और वजीर अली का दुश्मन।
असल में नवाब आसिफउद्दौला के यहाँ लड़के की कोई उम्मीद नहीं थी।
जब वजीर अली पैदा हुआ तो सआदत अली ने इसे अपनी मौत समझा क्योंकि अवध के तख्त का कोई और वारिस आ गया था — अब उसके खुद नवाब बनने की संभावना समाप्त हो गई थी।

उत्तर: सआदत अली नवाब आसिफउद्दौला का भाई था। वजीर अली के पैदा होते ही अवध की गद्दी के उत्तराधिकार की उसकी उम्मीद खत्म हो गई, इसलिए उसने उसकी पैदाइश को अपनी मौत समझा।

प्रश्न 3

सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?

हल

सआदत अली अंग्रेजों का दोस्त और बहुत ऐश-पसंद आदमी था।
उसने अंग्रेजों को अपनी आधी मुमलिकत (जायदाद) दे दी और दस लाख रुपये नगद भी दिए।
अंग्रेज चाहते थे कि अवध पर ऐसा नवाब हो जो उनके हितों की रक्षा करे और उन्हें कोई परेशानी न दे — सआदत अली ऐसे ही व्यक्ति थे। इस तरह कंपनी को बिना लड़े ही धन और सत्ता दोनों मिल गए।

उत्तर: सआदत अली ऐश-पसंद और अंग्रेज-परस्त था — उसने आधी मुमलिकत और दस लाख नगद दिए; अंग्रेजों का मकसद था अवध पर अपना प्रभाव बनाए रखना।

प्रश्न 4

कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वजीर अली ने अपनी हिफाजत कैसे की?

हल

वजीर अली को उसके पद से हटाने के बाद अंग्रेजों ने उसे बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वजीफा मुकर्रर कर दिया।

कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता तलब किया। वजीर अली बनारस में रहने वाले कंपनी के वकील के पास गया और शिकायत की — वकील ने उल्टा उसे बुरा-भला सुना दिया।

वजीर अली के दिल में अंग्रेजों के खिलाफ नफरत कूट-कूटकर भरी थी — उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

इसके बाद वह अपने जानिसारों (साथियों) सहित आजमगढ़ की तरफ भाग गया। आजमगढ़ के हुक्मरानों ने उन्हें अपनी हिफाजत में घाघरा तक पहुँचा दिया। तब से वह इन जंगलों में भटक रहा था।

उत्तर: वकील के कत्ल के बाद वजीर अली साथियों सहित आजमगढ़ भागा; वहाँ के हुक्मरानों ने उसे घाघरा तक पहुँचाया — तब से वह जंगलों में छिपा है।

प्रश्न 5

सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?

हल

सवार ने कर्नल से कारतूस माँगे — कर्नल ने दस कारतूस दे दिए।

जब कर्नल ने उसका नाम पूछा तो सवार ने मुस्कराते हुए कहा — 'वजीर अली'।

साथ ही यह भी कहा कि 'आपने मुझे कारतूस दिए इसलिए आपकी जान बख्शी करता हूँ' — और बाहर निकल गया।

जिसे पकड़ने के लिए पूरी फौज लगाई थी, वह स्वयं खेमे में आकर कारतूस ले गया — इस अप्रत्याशित साहस और निडरता से कर्नल हक्का-बक्का रह गया।

उत्तर: वजीर अली स्वयं कर्नल के खेमे में आकर कारतूस लेकर चला गया — जिसे पकड़ने की कोशिश थी वही आकर जान बख्श गया; यह जानकर कर्नल हक्का-बक्का रह गया।

प्रश्नावली 14.3 — लिखित (ख) — 50-60 शब्दों में उत्तर

प्रश्न 1

लेफ्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?

हल

लेफ्टीनेंट ने सुना था कि वजीर अली अफगानिस्तान के बादशाह शाहे-जमा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दे रहा है।
कर्नल ने बताया कि यह दावत सबसे पहले टीपू सुल्तान ने दी थी, फिर वजीर अली ने और फिर शमसुद्दौला ने — यानी कई राजा और नवाब एक साथ अंग्रेजों के खिलाफ थे।
टीपू सुल्तान, वजीर अली, शमसुद्दौला — इन सबने मिलकर अफगानी हमले की योजना बनाई थी।
इस राष्ट्रव्यापी विरोध को देखकर लेफ्टीनेंट को लगा कि कंपनी के खिलाफ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।

उत्तर: टीपू सुल्तान, वजीर अली और शमसुद्दौला — तीनों ने अफगानिस्तान को हमले की दावत दी थी; इस राष्ट्रव्यापी एकजुटता को देखकर लेफ्टीनेंट को लगा कि सारे हिंदुस्तान में कंपनी विरोधी लहर है।

प्रश्न 2

वजीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

हल

वजीर अली को अवध के नवाब पद से हटाने के बाद अंग्रेजों ने उसे बनारस भेज दिया था और वजीफा मुकर्रर किया था।
कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता तलब किया।
वजीर अली कंपनी के वकील के पास शिकायत लेकर गया कि गवर्नर जनरल उसे क्यों कलकत्ता बुला रहा है।
वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की, बल्कि उल्टा उसे बुरा-भला सुना दिया।
वजीर अली के दिल में अंग्रेजों के खिलाफ नफरत कूट-कूटकर भरी थी। अपमान और गुस्से में उसने खंजर से वकील का कत्ल कर दिया।

उत्तर: वजीर अली गवर्नर जनरल के बुलावे की शिकायत लेकर वकील के पास गया था। वकील ने उसे बुरा-भला सुनाया — अंग्रेजों के प्रति भरी नफरत में उसने खंजर से वकील का कत्ल कर दिया।

प्रश्न 3

सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

हल

एक सवार (जो वास्तव में वज़ीर अली था) घोड़े पर आकर कर्नल के खेमे में घुस गया और पूछा — 'आपने इस मुकाम पर क्यों खेमा डाला है?'
कर्नल ने उत्तर दिया — 'कंपनी का हुक्म है कि वज़ीर अली को गिरफ्तार किया जाए।'
सवार ने पूछा — 'लेकिन इतना लावलश्कर क्या मायने?' कर्नल बोला — 'गिरफ्तारी में मदद देने के लिए।'

सवार ने कहा — 'वज़ीर अली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है साहब, वो एक जाँबाज सिपाही है।'
कर्नल के पूछने पर कि वह क्या चाहता है, सवार ने 'चंद कारतूस' माँगे — 'वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए।'
कर्नल उसकी निर्भीकता से प्रभावित होकर दस कारतूस दे दिए। जाते-जाते सवार ने बताया कि वही वज़ीर अली है — इस प्रकार उसने अपनी बहादुरी और चतुराई से कर्नल से ही कारतूस हासिल कर लिए।

उत्तर: सवार (वेश में छिपा वज़ीर अली) निर्भीकता से कर्नल के खेमे में घुसा, बातचीत में वज़ीर अली को गिरफ्तार करने में 'मदद' का बहाना बनाकर 'चंद कारतूस' माँगे; कर्नल उसकी बहादुरी से प्रभावित होकर दस कारतूस दे बैठा — बाद में पता चला सवार स्वयं वज़ीर अली था।

प्रश्न 4

वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।

हल

वजीर अली एक असाधारण साहसी और निडर योद्धा था — यह उसके कई कारनामों से स्पष्ट होता है।
उसने अंग्रेजी वकील का कत्ल करने का साहस किया जो दूसरा कोई नहीं कर सकता था।
पूरी अंग्रेजी फौज बरसों से उसका पीछा कर रही थी, फिर भी वह जंगलों में छिपा रहा और हाथ नहीं आया।
सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि वह खुद शत्रु के खेमे में पहुँच गया, अपने दुश्मन कर्नल से कारतूस माँगे और जान बख्शी का एहसान जताकर चला गया।
कर्नल ने भी दबी जबान से स्वीकार किया — 'एक जाँबाज सिपाही।'

उत्तर: वजीर अली ने वकील का कत्ल किया, बरसों फौज को चकमा दिया और खुद कर्नल के खेमे में घुसकर कारतूस लेकर निकल गया — यही उसकी जाँबाजी का प्रमाण है।

प्रश्नावली 14.4 — लिखित (ग) — आशय स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 1

निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए — मुट्ठीभर आदमी और ये दमखम।

हल

यह वाक्य कर्नल वजीर अली के बारे में लेफ्टीनेंट से कह रहा है।
'मुट्ठीभर आदमी' का आशय है — वजीर अली के पास केवल चंद साथी (जाँबाज) थे, बड़ी कोई सेना नहीं।
'दमखम' का अर्थ है शक्ति और दृढ़ता।
आशय यह है कि वजीर अली के पास बहुत थोड़े-से लोग थे, फिर भी उनमें इतनी शक्ति और जुझारूपन था कि पूरी अंग्रेजी फौज उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी।
यह वाक्य वजीर अली और उसके साथियों की असाधारण वीरता और हिम्मत को रेखांकित करता है।

उत्तर: वजीर अली के पास मुट्ठीभर साथी थे, फिर भी इतनी शक्ति और दृढ़ता थी कि पूरी अंग्रेजी फौज उन्हें पकड़ नहीं पाई — यह उनकी असाधारण जाँबाजी की प्रशंसा है।

प्रश्न 2

निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए — गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफिला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नजर आता है।

हल

यह वाक्य लेफ्टीनेंट का है जब वह खेमे के बाहर से घोड़े की टापों और धूल उड़ते देखता है।
'गर्द' का अर्थ है धूल और 'काफिला' का अर्थ है यात्रियों या सैनिकों का बड़ा समूह।
आशय यह है कि एक घुड़सवार की आहट इतनी जोरदार थी कि ऐसा लग रहा था मानो पूरी फौज चली आ रही हो।
इससे वजीर अली की तेज रफ्तार, निडरता और दहशत का बोध होता है — एक अकेला सवार भी पूरी सेना जैसा धमका पैदा कर रहा था।
यह वाक्य वजीर अली के व्यक्तित्व की धाक और अंग्रेजों के मन में उसके प्रति भय को दर्शाता है।

उत्तर: एक अकेले घुड़सवार की आहट से इतनी धूल उड़ी कि पूरे काफिले का भ्रम हुआ — इससे वजीर अली की धाक और अंग्रेजों के मन में उसका भय स्पष्ट होता है।

प्रश्नावली 14.5 — भाषा अध्ययन — पर्याय

प्रश्न 1

निम्नलिखित शब्दों का एक-एक पर्याय लिखिए — खिलाफ, पाक, उम्मीद, हासिल, कामयाब, वजीफा, नफरत, हमला, इंतेजार, मुमकिन

हल

खिलाफ — विरुद्ध
पाक — पवित्र
उम्मीद — आशा
हासिल — प्राप्त
कामयाब — सफल
वजीफा — भत्ता / वृत्ति (वार्षिक पेंशन)
नफरत — घृणा
हमला — आक्रमण
इंतेजार — प्रतीक्षा
मुमकिन — संभव

उत्तर: खिलाफ=विरुद्ध, पाक=पवित्र, उम्मीद=आशा, हासिल=प्राप्त, कामयाब=सफल, वजीफा=भत्ता, नफरत=घृणा, हमला=आक्रमण, इंतेजार=प्रतीक्षा, मुमकिन=संभव।

प्रश्नावली 14.6 — भाषा अध्ययन — मुहावरे

प्रश्न 1

निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए — आँखों में धूल झोंकना, कूट-कूट कर भरना, काम तमाम कर देना, जान बख्श देना, हक्का-बक्का रह जाना।

हल

आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) — चोर ने पुलिस की आँखों में धूल झोंककर भागने में कामयाबी हासिल की।
कूट-कूट कर भरना (पूरी तरह भरा होना) — भगत सिंह में देशप्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी थी।
काम तमाम कर देना (मार देना / समाप्त कर देना) — बहादुर सिपाही ने एक ही वार में दुश्मन का काम तमाम कर दिया।
जान बख्श देना (जीवन दान देना) — उस दयालु राजा ने कैदी की गलती माफ करते हुए उसे जान बख्श दी।
हक्का-बक्का रह जाना (आश्चर्यचकित रह जाना) — जब जादूगर ने हवा में उड़ने का करतब दिखाया तो सभी दर्शक हक्के-बक्के रह गए।

उत्तर: आँखों में धूल झोंकना = धोखा देना; कूट-कूट कर भरना = पूरी तरह से होना; काम तमाम करना = खत्म कर देना; जान बख्शना = माफ करना; हक्का-बक्का = अवाक रह जाना।

प्रश्नावली 14.7 — भाषा अध्ययन — कारक

प्रश्न 1

कारक वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध बताता है। निम्नलिखित वाक्यों में कारकों को रेखांकित कर उनके नाम लिखिए — (क) जंगल की जिंदगी बड़ी खतरनाक होती है। (ख) कंपनी के खिलाफ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई। (ग) वजीर को उसके पद से हटा दिया गया। (घ) फौज के लिए कारतूस की आवश्यकता थी। (ङ) सिपाही घोड़े पर सवार था।

हल

(क) जंगल की — 'की' संबंध कारक (Genitive); जिंदगी का जंगल से संबंध दिखाता है।
(ख) कंपनी के खिलाफ — 'के खिलाफ' संबंध कारक; हिंदुस्तान में — 'में' अधिकरण कारक (Locative)।
(ग) वजीर को — 'को' कर्म कारक (Accusative); पद से — 'से' अपादान कारक (Ablative)।
(घ) फौज के लिए — 'के लिए' संप्रदान कारक (Dative); कारतूस की — 'की' संबंध कारक।
(ङ) घोड़े पर — 'पर' अधिकरण कारक (Locative)।

उत्तर: (क) 'की'=संबंध कारक; (ख) 'के खिलाफ'=संबंध, 'में'=अधिकरण; (ग) 'को'=कर्म, 'से'=अपादान; (घ) 'के लिए'=संप्रदान, 'की'=संबंध; (ङ) 'पर'=अधिकरण।

प्रश्नावली 14.8 — भाषा अध्ययन — अन्विति ('ने' लगाकर पुनर्लेखन)

प्रश्न 1

क्रिया का लिंग और वचन सामान्यतः कर्ता और कर्म के लिंग और वचन के अनुसार निर्धारित होता है। नीचे दिए गए वाक्यों में 'ने' लगाकर उन्हें दुबारा लिखिए — (क) घोड़ा पानी पी रहा था। (ख) बच्चे दशहरे का मेला देखने गए। (ग) रॉबिनहुड गरीबों की मदद करता था। (घ) देशभर के लोग उसकी प्रशंसा कर रहे थे।

हल

(क) घोड़े ने पानी पिया।
(ख) बच्चों ने दशहरे का मेला देखा।
(ग) रॉबिनहुड ने गरीबों की मदद की।
(घ) देशभर के लोगों ने उसकी प्रशंसा की।
नोट: 'ने' परसर्ग लगने पर क्रिया कर्ता और कर्म दोनों के लिंग-वचन से स्वतंत्र हो जाती है और एकवचन पुल्लिंग में आती है — जैसे 'पिया', 'देखा', 'की' (यहाँ कर्म के अनुसार बदली है)।

उत्तर: (क) घोड़े ने पानी पिया। (ख) बच्चों ने दशहरे का मेला देखा। (ग) रॉबिनहुड ने गरीबों की मदद की। (घ) देशभर के लोगों ने उसकी प्रशंसा की।

प्रश्नावली 14.9 — भाषा अध्ययन — विराम-चिह्न

प्रश्न 1

निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए — (क) कर्नल ने कहा सिपाहियों इस पर नजर रखो ये किस तरफ जा रहा है (ख) सवार ने पूछा आपने इस मुकाम पर क्यों खेमा डाला है इतने लावलश्कर की क्या जरूरत है (ग) खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे एक व्यक्ति कह रहा था दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है

हल

(क) कर्नल ने कहा, 'सिपाहियों, इस पर नजर रखो — ये किस तरफ जा रहा है?'
(ख) सवार ने पूछा, 'आपने इस मुकाम पर क्यों खेमा डाला है? इतने लावलश्कर की क्या जरूरत है?'
(ग) खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे, चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे। एक व्यक्ति कह रहा था, 'दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है।'

उत्तर: (क) कर्नल ने कहा, 'सिपाहियों, इस पर नजर रखो — ये किस तरफ जा रहा है?' (ख) सवार ने पूछा, 'आपने इस मुकाम पर क्यों खेमा डाला है? इतने लावलश्कर की क्या जरूरत है?' (ग) ...दे रहे थे। एक व्यक्ति कह रहा था, 'दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है।'